मूल्य – 5 रु.

Tara

तारांशु

मासिक

मई – 2018

वर्ष 6, अंक 8, पृ.सं. 20

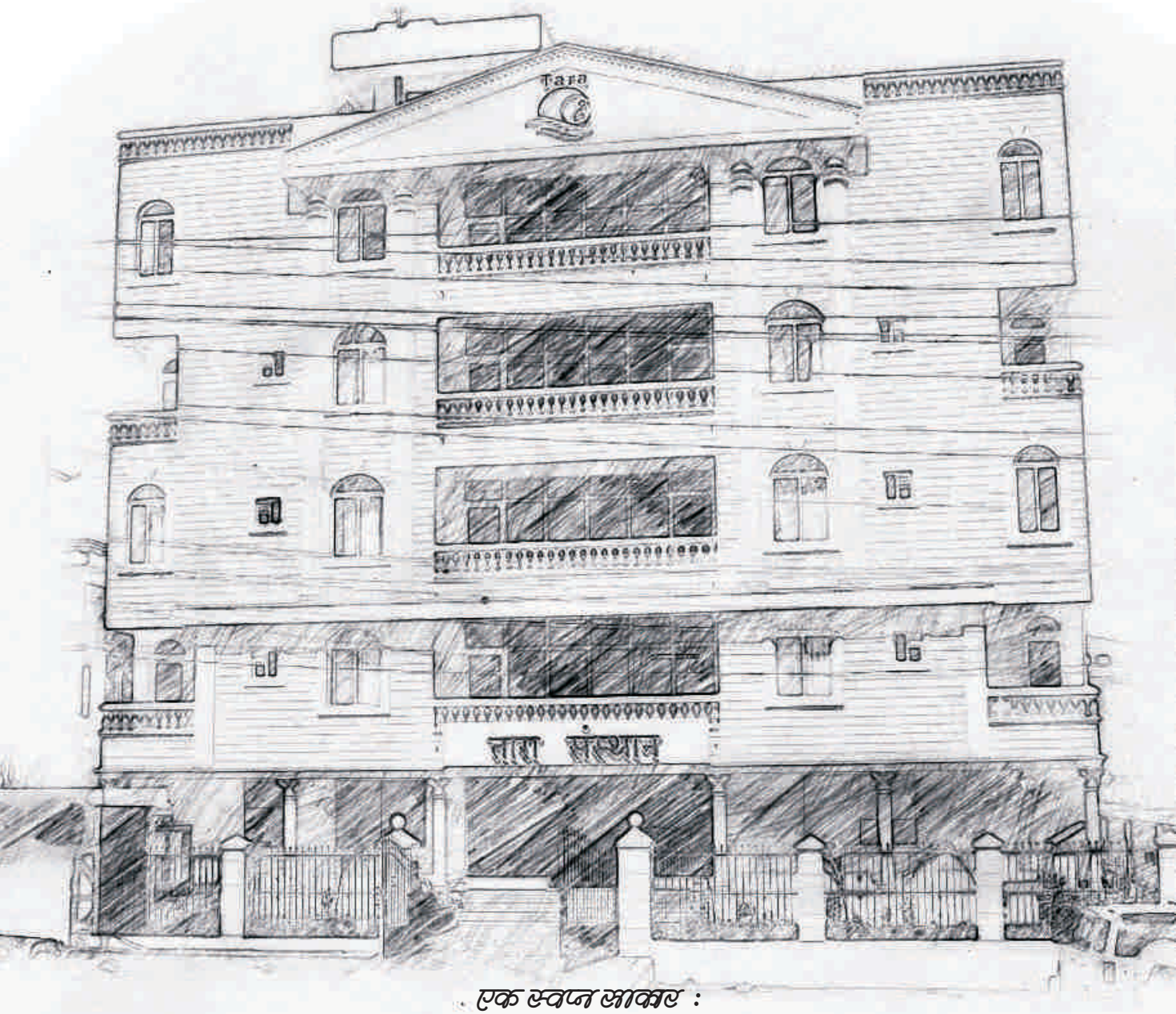

एक स्वप्न साकार :

नवीन आनन्द वृद्धाश्रम

उद्घाटन विशेषांक

नवीन आनन्द वृद्धाश्रम की कुछ सुसज्जित सुविधाओं के चित्र

"आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधी योजना"

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधी (Corpus Fund) में सहयोग देवें

वृद्धजन सहयोगी "शांति"	1,00,000/-
वृद्धजन सहयोगी "शक्ति"	50,000/-
वृद्धजन सहयोगी "आस्था"	21,000/-

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

विश्वास करना एक गुण है, अविश्वास दुर्बलता की जननी है।

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. मार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुक सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

फोटोग्राफी
अरविन्द शर्मा

तारांशु - वर्ष 6, अंक - 8, मई - 2018

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
नवीन आनन्द वृद्धाश्रम की कुछ सुसज्जित सुविधाओं / भविष्य निधी योजना	02
अनुक्रमणिका	03
लेख 1 : एक घर का बनना	04
लेख 2 : नये आनन्द वृद्धाश्रम भवन के उद्घाटन समारोह की आँखों देखी	05-10
अन्य गण्यमान्य अतिथियों का आगमन	11-13
आनन्द वृद्धाश्रम नवीन परिसर की निर्माण यात्रा : A TIME LINE	14
तारा संस्थान के प्रकल्प एवं दान सहयोग योजनाएँ	15
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	16
विनम्र अपील / अभिनन्दन	17
स्वागत / धन्यवाद	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (बाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' की सन्निधि में साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (दाएं)

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

एक घर का बनना...

मेरे पापा आदरणीय कैलाश जी मानव कभी–कभी बताते है कि कैसे "नारायण सेवा संस्थान" की पहली बिल्डिंग सेवाधाम बनी, कैसे वो खुद उसकी तराई करते थे। कैसे एक–एक कर कमरे बनते रहे क्योंकि उस समय नारायण सेवा संस्थान की शुरूआत थी और कमरा तब ही बनता था जब कोई डोनर उसे Sponsor करता था। वे बताते है कि उन्होंने रात दिन एक कर दिए उस Building को बनाने में जो कि आज नारायण सेवा संस्थान में सेवाधाम के नाम से जानी जाती है। बाद में भी ढेरों Building में वैसा ही जूनून पापा का मैने पाया फर्क सिर्फ इतना था कि पैसों के लिए उतनी जद्दोजहद नहीं थी।

तारा संस्थान ने जब आनंद वृद्धाश्रम के लिए नया भवन बनाना शुरू किया तब मुझे समझ में आया कि निर्माण का सुख क्या होता है नींव खुदने से लगा कर फर्निचर बनने तक हर चीज उतना ही आनंद देती है जैसे कि कोई बच्चे को बड़ा कर रहे हों। पापा जैसी जूनूनी तो मैं हूँ नहीं और मुझे लगता है कि बहुत ही कम लोग ऐसे होते है लेकिन रोजाना नये बन रहे भवन पर जाना होता था, इतनी अलग–अलग ऐजेंसी, आर्किटेक्ट, ठेकेदार, बिजली वाले, नल वाले, पेंटर, फर्निचर वाले, इंटीरियर वाली। सबसे कई–कई मीटींग मैं, दीपेश जी, विजय सिंह जी, शंकर सिंह जी और बहुत से लोग समय–समय पर संस्थान की तरफ से इन मीटींग में होते थे। हमारा प्रयास यह रहता था कि मितव्ययता बरतते हुए भी भवन ऐसा बने कि यहाँ आने वाले हर बुजुर्ग को घर जैसा ही लगे। दूसरा सबसे जरूरी पक्ष था कि सबके लिए ऐसी सुविधा हो कि उनकी दिनचर्या आसान हो। जैसे–जैसे बिल्डिंग बनने लगी, आर्किटेक्ट श्री पुनीत जी सक्सेना और इंटीरियर डिजायनर सुरभी जी को भी मानो इस बिल्डिंग से लगाव हो गया वे भी वृद्धाश्रम पहली बार बनवा रहे थे लेकिन उन्होने तारा में रह रहे बुजुर्गों को देखा था तो उनके मन में भी यही भाव थे कि यह भवन ऐसा बने कि यहाँ रह रहे बुजुर्गों को ऐसा लगे कि घर से बेहतर कोई जगह आए है।

आज जब यह लिख रहीं हुँ तो भवन बन गया है उद्घाटन भी हो गया है आप में से कुछ दानदाता यहाँ आए भी, उदयपुर से भी हमारे बहुत से मिलने वाले आऐ, सभी ने एक मत से यह बात बोली कि भवन बहुत सुंदर बना है, कई मेहमानों और मिलने वालों ने तो ये तक कहा कि हमारी जगह यहाँ Reserve कर लो। कुछ अतिश्योक्ति हो तो भी मेरे अंदर के मन को पता है कि भवन सुंदर है, हवादार है अच्छी रोशनी है खुला–खुला सा है। तसल्ली इस बात की भी है कि थोड़ा बहुत Elevation के अलावा कोई फिजूल खर्च नहीं किया है।

विचारों की श्रंखला चलती है तो एक खयाल आया कि अच्छे वृद्धाश्रम के मायने क्या हैं तो दिल से तुरंत जवाब दिया कि यह प्रयास उन लोगों के स्वाभिमान को जगा रहा है जो सिर्फ इसलिए अपमान का घूंट पी रहे है कि उनके पास जगह नहीं है कि जायें कहाँ। पैसे वालों के लिए तो बहुत से वृद्धाश्रम कई जगहों पर हैं जहाँ सारी सुविधाऐं हैं लेकिन वो बुजुर्ग जो अच्छा जीवन आत्मसम्मान के साथ चाहते हैं लेकिन पास में पैसा बिल्कुल नहीं है तो? बस इसी का जवाब आप सबने दे दिया एक सुंदर सा घर बनवाकर। आप जो यहाँ नहीं आ पाए तो कभी भी आऐं आपको अच्छा लगेगा, अब तो इस नए वृद्धाश्रम में कमरे भी हैं जो भी पति–पत्नी आऐंगे तो भी आराम से रह सकते हैं उन्हें हम अलग कमरा देगें जो सर्वसुविधा युक्त है।

भवन बन गया उद्घाटन भी हो गया उसके बाद एक–दो दिन थोड़े खाली से गए ऐसा लगने लगा कि "अरे कोई काम नहीं है क्या".... लेकिन ईश्वर कि कृपा है कि वो लगातार काम करने का सुख देता है तो अब हम जुट गए नए वृद्धाश्रम में आने वाले बुजुर्गों की दैनिक व्यवस्थाओं हेतु Corpus Fund (संचित निधी) जुटाने के लिए एक योजना पहले ही बना ली थी,

वृद्धजन सहयोगी "शांति" 1,00,000/-
वृद्धजन सहयोगी "शक्ति" 50,000/-
वृद्धजन सहयोगी "आस्था" 21,000/-

उसे सब दानदाताओं तक पहुँचाना था.... अरे भाई बुजुर्ग बढ़ेगे तो खर्चा भी तो बढ़ेगा।

आप भी कह सकते हैं कि खर्चे कि व्यवस्था नहीं थी तो नया वृद्धाश्रम क्यों खोला?पर हम क्या करते, कोई बुजुर्ग आना चाहता तो मना थोड़े ही करते और अगर मना करते तो आप सबको हमसे ज्यादा बुरा लगता। बस आप सब को जोड़े रखेगे और नये–नये लोगों को भी जोड़ेगे क्योकि अच्छे काम में जितने हाथ जुड़ते हैं उतना ही शुभ वो कार्य हो जाता है।

आदर सहित....

कल्पना गोयल

नये आनन्द वृद्धाश्रम भवन के उद्घाटन समारोह की आँखों देखी

19 अप्रेल : तारा संस्थान के सभी वरिष्ठ कार्यकर्त्ताओं की मीटिंग कल्पना जी के ऑफिस में हो रही है। सभी की ड्यूटी लिस्ट शंकर सिंह और जिम्मी ने तैयार की है सबको समझाया गया कि क्या क्या जिम्मेदारी है और कैसे निभानी है। कालू जी ने एक समस्या बताई कि कुछ लड़के जिनकी होटलों में ड्यूटी थी वे उनके गाँव में शादी के कारण नहीं आ रहे तो अब क्या करें? मुझे थोड़ा गुस्सा आया कि ऐन वक्त पर मना कैसे कर सकते हैं फिर भी कुछ तो करना है क्या करें सब सोच में पड़ गए। अलका जी सुझाव देती हैं कि क्यों ना कुछ लड़कियों की ड्यूटी लगा दें होटलों में... तुरंत सब लड़कियों को बुलाया जाता है हर होटल के लिए दो–दो लड़कियों की टीम बनती है और वे लड़कियाँ भी नयी जिम्मेदारी को पाकर खुश हैं... गीता कल्पना जी से कहती है कि दीदी मैं होटल में रहूँगी पर उद्घाटन के वक्त नयी बिल्डींग पर भी आना है... कल्पना जी इस हिदायत के साथ हाँ कहती हैं कि होटल का काम खत्म हो तभी आना।

अब हम सब नये भवन पर गए... हे भगवान दो दिन बाद उद्घाटन और सफाई के ये हाल... सफाई ठेकेदार को थोड़ी डांट – थोड़ा प्यार से समझाकर बताया जाता है कि सही समय पर काम होवें।

बाथरूमों में काँच लगने हैं। लेबर काँच लेकर जा रही है कि अचानक शंकर सिंह जी चिल्लाते हैं सब देखते हैं कि एक मजदूर के हाथ से काँच गिर गए उसके पैर में कट लग गया, प्रकाश आचार्य को मैंने बोला कि हॉस्पीटल ले जाओ और पट्टी कराओ। कांच लगाने वाले को कहा जाता है कि जितने लग गए ठीक है बाकी 22 अप्रेल के बाद लगाना। वहाँ से सुहालका भवन गए जहाँ सम्मान समारोह होना है स्टेज, टेंट–लाइट आदि सब कैसे होगा सोचा।

20 अप्रेल : सुबह से ही मेहमानों का आना शुरू हो गया, प्रीतम सिंह जी पंचकुला से, कुसुमलता जी, लक्ष्मण प्रसाद जी, संबलपुर (उड़ीसा) से कुमुद जी शर्मा के साथ 5 गेस्ट दिल्ली से आए।

कल्पना जी, मैं और सभी वरिष्ठ साथी सुबह से ही नये भवन में हैं साफ सफाई होने के बाद ऐसा लग रहा कि भवन थोड़ी सही दशा में है। थोड़ा फर्नीचर बाकी था वो आ रहा है। गद्दे सब आ गए लेकिन नीचे हॉल में ही पड़े हैं। चौहान सा. सारी लेबर से गद्दे कमरों में भिजवा रहे हैं तभी सूचना मिली कि तारा के मुख्य संरक्षक श्री एन.पी. भार्गव सा. और श्रीमती पुष्पा भार्गव एयरपोर्ट से तारा के पुराने भवन सेक्टर 6 पहुँच गए हैं। मैं और कल्पना जी गाड़ी से भागते हैं। उनसे मिलना हमेशा उतना ही सुखद होता है जैसे परिवार के वरिष्ठतम सदस्य से मिलना हो। उन्हें कहते हैं भोजन कर लीजिए लेकिन वो मना कर देते हैं और कहते हैं कि अब होटल में रेस्ट करेंगे। वापस सेक्टर 14 नये भवन में आते हैं सोफे लग रहे, घास और पौधे लग रहे, गद्दे लग रहे लेकिन ये क्या परदा नहीं आया एक भी। अंकुर जी को शंकर सिंह जी फोन करते हैं वो कहते है कि अभी 5–7 दिन का समय लगेगा... ओ... हो... मैं गुस्सा करता हूँ... कल्पना जी भी उन पर चिल्लाते हैं कि जब सब तय था तो देर क्यों... वो कहता है कि मैं दिनांक भूल गया... अब कह रहा जैसे भी हो कुछ अरेंजमेंट तो कर दूँगा चाहे 21 अप्रेल के रात भर काम करना पड़े।

21 अप्रेल : सुबह से मेहमानों का तांता लग रहा है मन में विचार आया कि आदरणीय

मेहमानों का स्वागत

डॉ. कैलाश जी 'मानव' ने उदयपुर को कितना धन्य बना दिया जो इतने सारे लोग हमारी धरती पर आते हैं। हमारी होटल टीम गीता, प्रियंका, सीता जी, राधा, डिम्पल जी, नीता जी सुबह 7.30 बजे सुन्दर सा तैयार होकर जुट गई हैं मेहमानों को होटल में रूम एलाट करने के लिए। लगभग 150 मेहमान 21 अप्रेल सुबह तक पधार चुके हैं। सब अपने–अपने रूम में चाय पीकर रेस्ट कर रहे हैं। नाश्ते के बाद थोड़ा घूमना फिरना फिर लंच था मैं और कल्पना जी नए भवन पर गए। पौद्दार आंटी कुछ बाइयों को लेकर नये गद्दों पर चद्दर बिछा रही हैं, गार्डन में फूलों के पौधे, क्रिसमस ट्री, फर्न, क्रोटन के गमले लग रहे हैं। आजकल तो गार्डन भी इंस्टेंट (त्वरित) हैं दो दिन में ऐसा बन गया मानों महीनों से लगा रहे हो। लंच होटल मुकुंद विलास में है हम भी वहीं है आलू की सब्जी, कड़ी, देशी घी की लप्सी, केरी का पानी सब मजेदार... लेकिन आलू की सब्जी खत्म हो गई अब क्या करें कैटरिंग वालों को बोला तो बोले हमने तो पूरी बनाई थी... और बनाते हैं। मैं और कल्पना जी मेहमानों का थोड़ा ज्यादा ध्यान रखने लगते हैं... मन में थोड़ा डर भी होता है ना कि कोई पहली बार आए हों और नाराज न हो जाए (वैसे ऐसा होता कभी नहीं है. हमारी कई कमियों को भी आप लोग ढक देते हैं)। खाने के बाद कुछ मेहमान सुस्ताने चले जाते हैं कुछ सहेलियों की बाड़ी, फतेहसागर घूमने। शाम 7 बजे सुन्दर कांड का पाठ होता है लोग झूम झूम कर पाठ करते हैं हमें भी बहुत खुशी होती है कि हमारे निमंत्रण पर आए सब लोग एन्जॉय कर रहे हैं।

ठहरने व भोजन आदि की व्यवस्था

शहर भ्रमण

शाम का भोज

सुन्दर काण्ड पाठ पर झूमते अतिथिगण

22 अप्रेल : आखिर वह दिन आ ही गया जिसका इंतजार बेसब्री से था दिल में थोड़ी सी धड़कन थी क्योंकि तारा का पहला कार्यक्रम था जिसमें 450 के आस पास मेहमान आ रहे थे लेकिन ईश्वर ने अब तक सही किया तो आगे भी करेगा।

अतिथियों का आगमन

बिल्डिंग सजधज कर तैयार खड़ी थी फूलों के तोरण इसकी शोभा बढ़ा रहे थे। हम सब सुबह सुबह वहीं थें... परदे वाले ने जैसे तैसे जुगाड़ कर थोड़े परदे लगाए थे बाकी सब ठीक था। होटल में ठहरे मेहमानों का नाश्ता होटल में चल रहा था नये भवन पर कार्यकर्त्ताओं के नाश्ते की भी व्यवस्था थी।

आदरणीय मानव सा. ने कहा था कि मैं तो सबसे पहले आ जाऊँगा तो वे ठीक 10 बजे बिल्डिंग पर आ गए। मुझे, कल्पना जी और पूरी टीम को ढेर ढेर आशीर्वाद दिए हमने उनके बैठने की व्यवस्था हॉल में की थी लेकिन वे बोले मैं तो बाहर टैंट में बैठूंगा... धूप है तो क्या मेहमानों का स्वागत तो बाहर से ही करूँगा। उनके आगे तो हमारी क्या चलती। वो बाहर बैठे, थोड़ी बात हुई और मेहमानों की पहली बस आ गई। सबका तिलक और माला से स्वागत बिल्डिंग के बाहर शामियाने में हुआ और फिर सब लोग मानव सा. के पास आ गए मिलने धक्का मुक्की सी होने लगी... हाथों में डोनेशन का चैक लेकर सब की इच्छा थी कि वे मानव सा के हाथों में चैक दें।

(डॉ.) श्री कैलाश 'मानव' का आगमन

समारोह स्थल पर श्री सत्यभूषण जैन एवं श्री एन.पी. भार्गव

दान देने की होड़ा होड़ी, मुझे लगता है कि ऐसा शायद ही कहीं विश्व में होता हो। मानव सा भी तो बहुत ऊर्जा वाले हैं सभी लोगों से उसी जोश से मिले। सत्यभूषण जी जैन सा सीधे एयरपोर्ट से आए, भार्गव सा. – पुष्पा जी, कुसुम जी गुप्ता सब आ गए और समय हो गया तो मैंने धीरे से मानव सा को कहा और वे सभी के साथ फीता काटने पहुँच गए।

मंत्रोचार, दीप प्रज्वलन, नारियल वधार कर फीता काटा गया... एक सुन्दर सा भवन समर्पित किया उन बुजुर्गों के लिए जिनके अपने उतने अपने ना हुए। अलग–अलग तल व कक्षों का उद्घाटन उनके लिए दान देने वाले दानदाताओं के हाथों हुआ।

विधिवत उद्घाटन

दीप प्रज्वलन

(बाएँ से दूसरी) सुश्री बृज बाला एवं (दाएं) श्रीमती प्रेम निझावन, दिल्ली

(बाएँ से) श्रीमती कमला अग्रवाल, श्री प्रशांत अग्रवाल एवं डॉ. कैलाश 'मानव'

जिनमें ओ.सी. जैन सा., आर.के. जैन सा, भीमसेन जी मित्तल सा., लता जी भाटिया भी शामिल थे।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के बच्चों की प्रस्तुति

सभी बाहर से आए अतिथियों को भवन दिखाकर सम्मान समारोह हेतु पास ही सुहालका भवन भेजा। कल्पना जी को उदयपुर से आए मेहमानों का भवन पर स्वागत करने के लिए छोड़ मैं भी सुहालका भवन रवाना हुआ। वहाँ मंच प्रशांत जी ने संभाला था, मानव सा., सत्यभूषण जी और अन्य सम्मानित मेहमान मंच पर बैठे। शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के छोटे छोटे बच्चों ने घूमर नृत्य किया और एक वृद्ध की व्यथा पर मुकाभिनय किया जिसने मन को छू लिया। बीच में बजते गीत संगीत के साथ सम्मान समारोह शुरू हुआ सब अतिथियों ने अपने हृदय के उद्‌गार भी व्यक्त किए, हमारे प्यारे मम्मीजी यानि कि श्रीमती कमला देवी ने भी निश्छल प्यार से भरे शब्दों में हमें आशीर्वाद दिया। उसके बाद भोजन, हम लोग तो खाने में लेट हो गए तो भी श्रीखण्ड, आमरस और कचौड़ी तो छक कर खाई।

(बाएं से चौथे) डॉ. विजय आनन्द गुप्ता, दिल्ली

(दाएं) श्री बजरंग बंसल, खरसिया (छ.ग.)

श्री ओ.सी. जैन, रतलाम (म.प्र.) एवं श्री विष्णु शरण सक्सेना, भोपाल (म.प्र.)

(बाएं से पहले) श्री दिनेश कोठारी, मुम्बई

श्रीमती लता भाटिया एवं श्री लक्ष्मणदास भाटिया
मुम्बई

श्रीमती एवं श्री दीलिप बर्वे
रतलाम (म.प्र.)

श्रीमती एवं श्री भीम सेन मित्तल
दिल्ली

श्री सहीराम सुथार
बीकानेर

"वीर आओ अमारी साथे" सायन (मुम्बई) की श्रीमती प्रफुल्ला बेन (बाएं से दूसरे) एवं ग्रुप

श्री पारस भाई, मोरबी (गुज.)

स्थल पर मौजूद मेहमान

दोपहर में थोड़े से आराम के बाद रात में सुहालका भवन में ही डाँडिया था। संगीत की धुन पर माता की आराधना के साथ नाचना, अद्भूत सा होता है। इस डाँडिया में बच्चे बूढ़े सभी अपने सारे संकोच छोड़कर खूब नाचे। कल्पना जी तो शुरू से अंत तक नाचती रही। सबकी थकान उतर गई डाँडिया से। फिर भोजन और आराम।

डाँडिया रास के साथ 3-4 दिन के उत्सव का समापन

23 अप्रेल : ये 3–4 दिन तो उड़ से गए और हमारे मेहमानों की वापसी का समय आ गया लेकिन इतनी दूर दूर से सब श्रीनाथ जी के द्वार पर आए तो दर्शन किए बिना कैसे जाने देते सो नाश्ते के बाद सबको नाथद्वारा और एकलिंगजी दर्शनों हेतु भेजा। वापस आए तो साथ में भोजन लिया और एक हॉल में गद्दे लगाए थे वहीं सब बैठ गए। पुराने जमाने की शादियों के दिन याद आ गए जब सब धर्मशाला के एक दो हॉल मे रूक कर धमाल करते थे जो भी मेहमान एक दो दिन से हमारे साथ थे उनसे मोह सा हो गया था लेकिन सबको जाना था अपने अपने काम में वापस सो बस सबसे विदा ली। आदरणीय बाऊजी सा (मानव सा.) ने सिखाया है सो सबको भाता (सफर के भोजन पैकेट) देकर विदा किया... जल्द फिर मिलने के आश्वासन के साथ।

दीपेश मित्तल

"मरने के लिए तैयार हूँ, पर ऐसी कोई वजह नहीं है जिसके लिए मैं मारने को तैयार हूँ।

22 अप्रेल को समारोह स्थल पर अन्य गण्यमान्य अतिथियों का आगमन - 1

श्री आर.के. जैन, दिल्ली

श्रीमती कुसुम गुप्ता, दिल्ली

(बीच में) श्रीमती रेणु छाबडिया, मुम्बई

(सबसे दाएं) श्री मोहन सिंह भाटिया एवं भाटिका सेवक समाज, फरीदाबाद के सदस्यगण, डॉ. कैलाश 'मानव' के साथ

(बाएं) श्री सुनील एवं वन्दना जी वाधवा, मुम्बई

(बाएं से दूसरे) श्री महावीर प्रसाद जी, अहमदाबाद (गुज.) पुत्रों के साथ

22 अप्रेल को समारोह स्थल पर अन्य गण्यमान्य अतिथियों का आगमन - 2

श्रीमती जे.जे. कक्कड़, मुम्बई

श्री महेन्द्र कुमार जी, कोटा (राज.)

श्री मोहन रेड्डी, मुम्बई

श्री प्रीतम सिंह भारद्वाज, पंचकुला

(बाएं से तीसरी) श्रीमती गायत्री दवे, बाड़मेर (राज.)

श्री रामदास अग्रवाल, कटनी (म.प्र.)

सत्य बिना जन समर्थन के भी खड़ा रहता है, वह आत्मनिर्भर है।

22 अप्रेल को समारोह स्थल पर अन्य गण्यमान्य अतिथियों का आगमन - 3

(बाएं) श्री धन्ना राम सोनी, जोधपुर (राज.)

श्री रेवतमल जी सुराणा, कोलकाता

श्री मुकेश जैन, सूरत (गुज.)

श्रीमती एवं श्री विजय होलानी, मुम्बई

श्री सुरेश चन्द्र - श्रीमती कान्ता अग्रवाल, उदयपुर

कुछ अतिथिगण

आनन्द वृद्धाश्रम नवीन परिसर की निर्माण यात्रा : A TIME LINE

फरवरी, 2012

शुभारम्भ

तारा संस्थान ने 3 फरवरी, 2012 को आनन्द वृद्धाश्रम प्रारंभ किया। 25 बेड से प्रारंभ हुए आनन्द वृद्धाश्रम में वर्तमान में 45 बेड हैं क्योंकि जैसे जैसे नये बुजुर्ग आते गए उनको मना नहीं किया जाकर उनके लिए बेड बढ़ाते गए। लेकिन समस्या अब सामने आ रही है कि प्रतिमाह 2 के औसत से लोग जानकारी मांगते हैं या वृद्धाश्रम में आवास की इच्छा जताते हैं पर अब ज्यादा बेड खाली नहीं बचे हैं। समस्या के निदान के लिए संस्थान द्वारा एक 7000 वर्ग फीट का प्लाट लिया गया है। इस प्लॉट पर एक सर्व सुविधायुक्त वृद्धाश्रम बनाया जाना प्रस्तावित है। उदयपुर शहर की आबादी के मध्य हिरण मगरी सेक्टर 14 में स्थित है। आबादी के मध्य होने से रहने वाले बुजुर्गों को एकाकीपन का एहसास नहीं होगा और बाजार, पार्क आदि सुविधाएँ नजदीक होने से उनका आनंद उठा सकेंगे।

नवम्बर, 2015

एक भव्य परिकल्पना

अक्टूबर, 2016

दि: 11 अक्टूबर, 2016 को तारा परिवार व उनके 100 से अधिक दान–दाता और मेहमान एकत्र हुए और उदयपुर के सेक्टर –14 क्षेत्र में भूमि स्थल पर ''भूमि पूजन'' समारोह में भाग लिया।

मार्च, 2017

नवीन परिसर का निर्माण कार्य तेजी से अग्रसर

अगस्त, 2017

नवीन परिसर का
निर्माण कार्य पाँचवीं मंजिल तक पहुँचा

22 अप्रेल, 2018

150 बेड का सर्व सुविधायुक्त नवीन आनन्द वृद्धाश्रम का उद्घाटन

इंफ्रास्ट्रक्चर एवं मूलभूत सुविधाएँ

रूम – 36, डॉरमिटरी हॉल – 6
डाईनिंग हॉल – 1, किचन – 1
स्टोर – 1

तारा संस्थान की मानवीय कल्याण प्रकल्प एवं दान सहयोग योजनाएँ

तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई एवं फरीदाबाद)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)
01 ऑपरेशन - 3000 रु., 02 ऑपरेशन - 6000 रु., 05 ऑपेरशन - 15000 रु., 07 ऑपरेशन - 21000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम (उदयपुर, इलाहाबाद एवं फरीदाबाद)

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 माह - 5000 रु., 03 माह - 15000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 वर्ष - 60000 रु.

गौरी योजना (विधवा महिलाओं को 1000 रुपये नकद प्रतिमाह)

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)
01 माह - 1000 रु., 03 माह - 3000 रु.,06 माह - 6000 रु., 01 वर्ष - 12000 रु.

तृप्ति योजना (बुजुर्गों के निवास पर जाकर हर माह राशन सामग्री व 300 रुपया)

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)
01 माह - 1500 रु. , 03 माह - 4500 रु. , 06 माह - 9000 रु., 01 वर्ष - 18000 रु.

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर

एक विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 12000 रु.

मस्ती की पाठशाला : झुग्गी झोपड़ियों के कचरा बीनने वाले बच्चों को शिक्षित एवं सुसंस्कृत बनाने का एक प्रयास

झुग्गी झोपड़ी के 1 बच्चे की शिक्षा सौजन्य सहयोग रु. 12000/- प्रति वर्ष

नेत्रालय मासिक अपडेट्स :

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह अप्रेल – 2018 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में आयोजित शिविर

सौजन्यकर्त्ता :

श्री मिश्री लाल सुरेश चन्द्र जैन – हैदराबाद, श्री अतुल जैन – बुलढ़ाना (महाराष्ट्र), श्री अंकुर देव – जयपुर (राज.),
श्रीमती केसर देवी डामोर (सरपंच, आसेला) – श्री धसनपाल जी डामोर (पुर्व सरपंच, आसेला)

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर

गुरू जी, बडे मन्दिर, छत्रपुर रोड़, मेहरोली, दिल्ली, के सेवादारों के सौजन्य से
श्रीमती सुषमा एवं श्री सत्यभूषण जैन – दिल्ली, मनोहरी देवी बिंदल चेरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) – दिल्ली, वर्धमान प्लाजा,
हीरालाल मोहन देवी रिटा गुप्ता मेमोरियल ट्रस्ट – नई दिल्ली, श्रीमती सुमन जी मित्तल

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डाकी प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर

स्थान : **सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गजियाबाद,**
रिलायबल इंस्टिटयूट, मोरटा, मेरठ रोड, गाजियाबाद

इस शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं। मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया : कुल 17 शिविर (देशभर में)

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर / ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई–मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान – सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

B-SCAN
बी-स्केन

यह आँख की सोनोग्राफी मशीन है जो विशेष रूप से आँख के पर्दे की जाँच में उपयोग होती है। मोतियाबिन्द के जिन मरीजों में पर्दा नहीं दिख पाता तथा डायबिटीज, ब्लड प्रेशर एवं आँख की चोट में यह विशेष रूप से सहायक है।

कीमत रु. **9,00,000/-** (नौ लाख रुपए)

OPERATING MICROSCOPE
ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप

सामान्य भाषा में इसे दूरबीन कहते हैं। आधुनिक मोतियाबिन्द के ऑपरेशन में यह अतिआवश्यक है। इसके द्वारा आँख की कई गुना बड़ी इमेज बनती है जिससे की अति सूक्ष्म सर्जरी भी की जा सकती है।

कीमत रु. **8,38,000/-** (आठ लाख अड़तीस हजार रुपए)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु.	09 ऑपरेशन - 27000 रु.	06 ऑपेरशन - 18000 रु.
03 ऑपरेशन - 9000 रु.	01 ऑपरेशन - 3000 रु.	

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

स्वागत : **"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"**

श्री डी.पी. - श्रीमती कमला गोयल, गीतांजली एवं साकेत गोयल, पटियाला (पंजाब)

श्री ओम प्रकाश - श्रीमती संतोष देवी पटवारी जयपुर (राज.)

श्री सत्यनारायण - श्रीमती शशिकला हैदराबाद

श्रीमती कमला देवी अग्रवाल आगरा (उ.प्र.)

श्रीमती एवं श्री मनीष गुप्ता पुणे

श्री वी.एल. - श्रीमती शैलजा लोकरे पुणे

श्रीमती अल्का कुलश्रेष्ठ पुणे

श्री प्रवीण जैन जयपुर (राज.)

तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्रीमती एवं श्री ज्ञान चन्द बनेडा
जयपुर (राज.)

श्री अभिषेक खंडेलिया
जोगेश्वरी (ई), मुम्बई

श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता एवं परिवार
फिरोजाबाद (यू.पी.)

Thanks :

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Dr. Ram Ratan Gupta & Mrs. Anil Goel
Jammu & Kashmir

Mr. Chirag & Mr. Naman Jolly
Ropar (PB)

Mr. Sushil - Mrs. Manorma Devi Ojha
Howrah, West Bengal

Mr. Sanvar Lal - Mrs. Parvati Modi
Bikaner (Raj.)

Mr. Shravan K. - Mrs. Sushma Ahuja
Moradabad (UP)

Mr. Vijay Holani - Mrs. Sarla Holani
Mumbai

Mr. Sanjeev - Mrs. Anju Ahuja
Moradabad (UP)

Mr. Somdatt - Mrs. Basant Kumari Gupta
Ambala (HR)

Mr. Rajendra Prasad - Mrs. Manju Devi Agrawal
Bikaner (Raj.)

Mr. Rameshwar Lal Kumawat
Lt. Mrs. Rama Devi, Jaipur (Raj.)

Mr. Parshwanath - Mrs. Prabhawati Dubey
Mumbai

Mr. B.S. Shukla - Mrs. Vimlesh Shukla
Udaipur (Raj.)

Mr. Suresh Chandra - Mrs. Yashoda Gupta
Panchkula (HR)

Mrs. Aruna C. Ahuja & Mr. C.P. Ahuja
Kandwali (E), Mumbai

Mr. Nami Chand C. Chopad - Mrs. Nemi Devi
Unjha (Guj.)

Lt. Mr. Vishvanath Damodar
Lt. Mrs. Annapurna Godbole, Ujjain (MP)

Lt. Mr. Natvar Lal - Lt. Mrs. Kanchan Ben Fadia
Virar, Mumbai

Mr. Mukesh Kumar - Mrs. Sudha Soni
Sikar (Raj.)

Mr. Gulab Chand - Mrs. Sampati Devi Soni
Sikar (Raj.)

Mr. Pramod K. - Mrs. Kiran P. Agrawal
Thane (W)

Mr. Anil V. Godbole
Ujjain (MP)

Lt. Mr. Chhatu Lal Gehlot
Bikaner (Raj.)

Mr. Tarsem Lal Ji
Ludhiana (PB)

Lt. Mrs. Tara Devi Ojha
Howrah, West Bengal

Lt. Mr. Arjun Nath Malla
Baroda (Guj.)

Mr. S.P. Bhatia
Gurgaon

Mr. Apurv Man Singh
Bangalore

Mrs. Prameshwari Devi
Gehlot, Bikaner (Raj.)

Mr. Pratik Agrawal
Bikaner (Raj.)

पाप से घृणा करो, पापी से प्रेम करो।

AREA SPECIFIC TARA SADHAK

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Sunil Sharma
Area Mumbai, Chennai
Cell : 07821855752

Suresh Kumar Lohar
Area Mumbai
Cell : 07821855759

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner & Nagpur
Cell : 07821855740

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

'TARA' CENTRE - INCHARGE

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (UP)
Cell : 09412287735

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101
Cell : 09029643708

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNT

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965 ..... IFSC Code : icic0000045
State Bank of India ..... A/c No. 31840870750..... IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank ..... A/c No. 1166104000009645 . IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank ..... A/c No. 912010025408491 .. IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank..... A/c No. 12731450000426.... IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank ..... A/c No. 0169101056462 ..... IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India... A/c No. 3309973967 ..... IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank .. A/c No. 8743000100004834 . IFSC Code : punb0874300
Yes Bank ..... A/c No. 065194600000284 .. IFSC Code : yesb0000651

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. : +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post, Meera Road,
Thane - 401107 (Maharashtra),
Phone No. 022-28480001, +91 7821855753

TARA NETRALAYA - Faridabad

Bhatia Sewak Samaj (Regd.),
N.H. - 2, Block - D, N.I.T.,
Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

ANAND VRUDHASHRAM - Udaipur

#344/345, Hiran Magri, (In the lane of
Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

RAVINDRA NATH GAUR ANAND VRUDHASHRAM - Allahabad

25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town,
Allahabad - 211022 (U.P.)
Ph. No. (0532) 2465035

OM DEEP ANAND VRUDHASHRAM - Faridabad

866, Sec - 15A,
Faridabad - 121007 (Haryana)
Mob. +91 7821855758

SHIKHAR BHARGAVA PUBLIC SCHOOL - Udaipur

H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. +91 7229995399

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, मई - 2018
प्रेषण तिथि - 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर
समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा	वृद्धाश्रम बुजुर्गों
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)	हेतु भोजन मित्ति
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	3500 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	(एक समय)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	

1,50,000 रु. संचित निधि में जमा करवा कर आप एक विधवा महिला को आजीवन 1000 रु. प्रति माह सहयोग कर पाएँगे

एक विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 12000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय
चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
SBI A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166	PNB Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097	YES Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : yesb0000651
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273		

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' रात्रि 8:20 से 8:40 बजे

'आस्था भजन' प्रात: 8:40 से 9:00 बजे

'आस्था' रविवार दोपहर 2:30 बजे

'संस्कार चैनल' दोपहर 2:40 से 2:55 बजे

बुक पोस्ट

Tara
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org